महाकुम्भ 2025

अमृतगिरि हिमालय

आध्यात्मिकता, ज्ञान और सद्भाव का उत्सव

महाकुम्भ प्रयागराज 2025 से निकल रही अलौकिक ऊर्जा हर आत्मा को छू लें चाहे वह पास हो या दूर । सभी को शांति, प्रेम, और सद्भावना प्रदान करें,और संसार को विश्व शांति और दिव्य कृपा से भर दे।

महाकुंभ 2025: दुनिया का सबसे
विशाल आध्यात्मिक समागम

संत, ऋषि, साधक और भक्तों सहित लाखों जन इस पवित्र महाकुंभ के लिए दुनिया भर से इकट्ठा हो रहे हैं। भक्ति, संस्कृति और अध्यात्म का यह दिव्य समागम जो हर 12 साल में एक बार आयोजित किया जाता है।

प्रयागराज में हो रहा महाकुंभ 2025 बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 144-वर्ष में एक बार आने वाले खगोलीय समीकरणों में हो रहा है जो दुर्लभ और सबसे शुभ है।

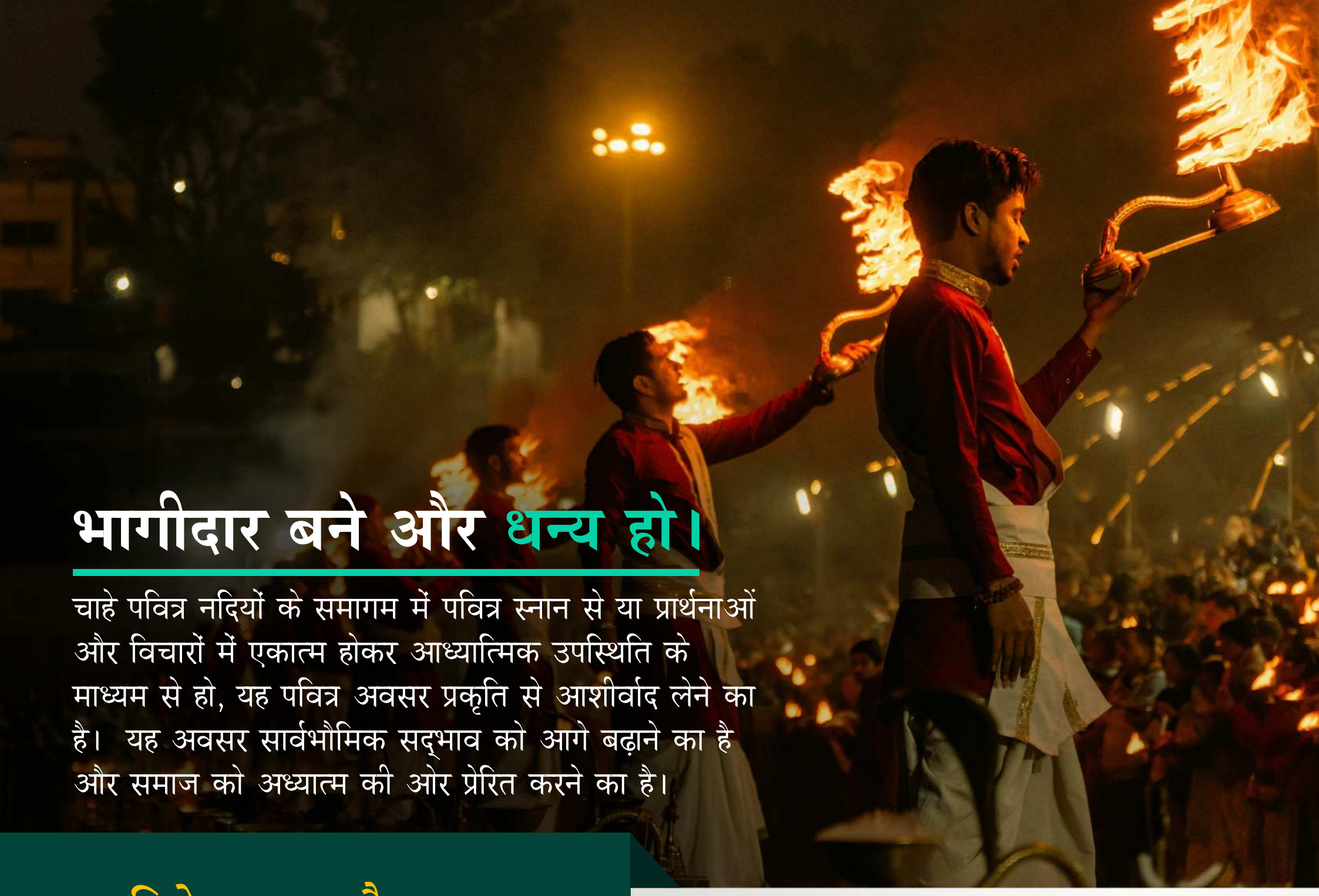

भागीदार बने और धन्य हो।

चाहे पवित्र नदियों के समागम में पवित्र स्नान से या प्रार्थनाओं और विचारों में एकात्म होकर आध्यात्मिक उपस्थिति के माध्यम से हो, यह पवित्र अवसर प्रकृति से आशीर्वाद लेने का है। यह अवसर सार्वभौमिक सद्भाव को आगे बढ़ाने का है और समाज को अध्यात्म की ओर प्रेरित करने का है।

प्रकृति के अनुकूल और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त

महाकुंभ २०२५ पर्यावरण के हित को ध्यान में रखते हुए स्वच्छता से युक्त, प्लास्टिक-मुक्त और प्रकृति के अनुकूल पर्यटन प्रबंधन के साथ इस बार आयोजित किया जा रहा है। यह UNESCO द्वारा मानवता की एक अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता प्राप्त है और महाकुंभ २०२५ वैश्विक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उन्नति का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

अमृतगिरी हिमालय: भारतीय दर्शन के अनंत सत्य से प्रेरित वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए एक आंदोलन

अमृतगिरी हिमालय: मणिकूट पर्वत, हिमालय की तलहटी में देवभूमि उत्तराखंड की पावन धरा पर स्थित अमृतगिरी इकोलाइफ का एक प्रतिष्ठान है।

एक संस्था से बढ़कर, अमृतगिरी एक विशिष्ट गैर सरकारी संगठन है जो निम्न विषय में कार्यरत है:

- पारंपरिक संस्कृति को संरक्षित करना।
- हिमालय के मूल समुदायों को सशक्त बनाना।
- महत्वपूर्ण पर्यावरणीय संसाधनों की रक्षा करना,

जैसे कि गंगा नदी की पवित्रता की रक्षा करना, हिमालय में कीमती जड़ी -बूटियों को संरक्षित करना, और पारिस्थितिक संतुलन को बढ़ावा देना।

अमृतगिरी संयुक्त राष्ट्र संघ के सतत विकास लक्ष्यों (च्क्क्र) के साथ जुड़े सामाजिक संगठनों, विश्वविद्यालयों और सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करता है। अमृतागिरी सामाजिक सुधारकों और पर्यावरणविदों की एक टीम को एक साथ सार्थक परिवर्तन करने के लिए एक साथ लेकर चलता है और सद्भाव और स्थिरता की ओर एक वैश्विक मुहिम की अगुवाई करता है।

"अमृतगिरि हिमालय आध्यात्मिकता को बढ़ावा देना सद्भाव और वैश्विक पवित्र के माध्यम से शांति सहयोग"

नीलकंठ क्षेत्र में हिमालय की तलहटी में स्थित अमृतगिरि हिमालय एक धार्मिक संस्था है जो विभिन्न अखाड़ों (साधु-संतों के समूह), पवित्र मंदिरों और आश्रमों के साथ सहयोग कर भारतीय संस्कृति और आस्था के प्रचार और संरक्षण का कार्य करता है। ये केंद्र विश्व शांति को बढ़ावा देने के लिए पूजा अनष्ठान, यज्ञ, प्रार्थना और अन्य गतिविधियां करने के लिए समर्पित हैं।

अमृतगिरि हिमालय से जड़े प्रमख आध्यात्मिक केंद्रों में शामिल हैं:
नीलकंठ महादेव मंदिर, सिद्धबली मंदिर, मां भुवनेश्वरी मंदिर, सीताराम आश्रम, झिलमिल गुफा, मौनी बाबा आश्रम

ये आध्यात्मिक केंद्र जिन पूज्य अखाड़ों का हिस्सा है, वे है :
महानिर्वाणी अखाड़ा,जूना अखाड़ा,सीताराम अखाड़ा, बड़ा उदासीन अखाड़ा

साथ में, ये पवित्र संस्थाए और अमृतगिरि हिमालय प्राचीन भारतीय परंपराओं की प्रथाओं और आचरणों के माध्यम से आध्यात्मिक उत्थान, पर्यावरणीय सद्भाव और वैश्विक शांति के साझा लक्ष्य की दिशा में काम करते हैं।

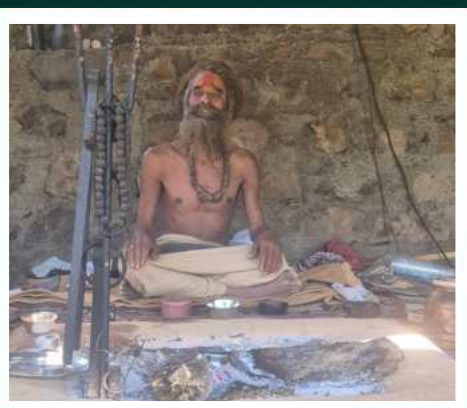

आनंदाश्रम और इंटेग्रल बुक्स

एक एकीकृत मुहिम

भारतीय मूल्यों और दर्शन को आगे रखते हुए, आनंदाश्रम और इंटेग्रल बुक्स प्रेम, ज्ञान और आध्यात्मिक विकास को फ़ैलाने की मुहिम में लगा है। यह आंतरिक सद्भाव और सार्वभौमिक एकता के मार्ग को प्रशस्त करता है।

आनंदाश्रम और इंटेग्रल बुक्स, केरल और दुनिया भर में पाठकों और शिष्यों के लिए शांति और आध्यात्मिक ज्ञान फैलाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा हैं। वे विश्व में शांति को बढ़ाने वाले कार्यो में साथ खड़े होते है और अमृतगिरी हिमालय जैसे समान विचारधारा वाले संगठनों के साथ सहयोग करते हैं। उनके प्रयास विशेष रूप से आध्यात्मिक पुस्तकों और विभिन्न परोपकारी गतिविधियों के प्रकाशन के माध्यम से आगे बढ़ रही हैं। यह कार्य निश्चित ही वैश्विक शांति और आध्यात्मिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है।

आनंदाश्रम

सार्वभौमिक प्रेम का एक सशक्त केंद्र

दक्षिण भारत के कन्हंगड़ में स्वामी रामदास (प्रिय पिता) द्वारा १९३१ में आनंदाश्रम की स्थापना सार्वभौमिक प्रेम और सेवा के आदर्श के रूप में हुई। यह आश्रम सभी को दिव्य दर्शन की अनभूति प्रदान करता है। सभी को आमंत्रित करता यह आश्रम आध्यात्मिक विकास, निस्वार्थ सेवा और आंतरिक शांति के लिए एक दिव्य भूमि से कम नहीं है। यह आश्रम सभी को एकता और सद्भाव के मार्ग पर चलने के लिए मार्गदर्शन करता है।

INTEGRAL BOOKS PUBLICATIONS

इंटेग्रल बुक्स

आधुनिक जीवन में एक अनंत ज्ञान का स्रोत

महान लेखक और दार्शनिक श्रीकांत जी द्वारा 1980 में स्थापित, इंटेग्रल बुक्स आज की दुनिया की जरूरतों के साथ भारत की आध्यात्मिक ज्ञान को पाटती हैं। अब श्री डेन्नी थॉमस के नेतृत्व में, यह श्रीकांत जी के लेखनों को मुख्यतः प्रकाशित कर रहा है जो जीवन के उद्देश्य को प्रकाशमय करता हैं। यह पुस्तकें व्यावहारिक मूल्यों के साथ बौद्धिक स्पष्टता का मिश्रण है। इंटेग्रल बुक्स पाठकों को एक संतुलित जीवन यापन की राह में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

हिमालय और पवित्र गंगा आपकी प्रतीक्षा में हैं:
अपनी आत्मा को जागृत करें

हरिद्वार, ऋषिकेश, नीलकंठ, केदारनाथ और बद्रीनाथ जैसे कई अन्य पवित्र और प्रतिष्ठित आध्यात्मिक केंद्रों की यात्रा के लिए अमृतगिरी हिमालय से जुड़े ।

हिमवंत भगवान और गंगा देवी के आशीर्वाद का अनुभव करें, स्वच्छ हिमालय की हवा में सांस लें, पवित्र गंगा में स्नान करें और दिव्य गंगा आरती में सम्मिलित हो।

यह यात्रा आपकी आंतरिक शांति और आध्यात्मिक जागृति का स्रोत बन सकती है।

"ओम शिवम शंकरं हिमवथम नमामि गंगे"

Avi Yadav Giri Swamy

amrithagirihimalaya.in

HELPLINE : +91 98193 61107

helpline@amrithagiri.org